चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 6.4.2021.....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....4-6.....

कृषि विविधिकरण के रूप में कर सकते हैं किसान खुम्ब का उत्पादनः डॉ. अशोक

एचएयू में खुम्ब उत्पाद तकनीक विषय पर युवाओं को दिया व्यवसायिक प्रशिक्षण

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए युवक-युवतियों के लिए खुंब उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण का सोमवार को समापन हो गया। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बीआर कम्बोज के मार्ग दर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोलते हुए सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि कृषि विविधिकरण के अन्तर्गत खुंब उत्पादन करके युवा स्वरोजगार हासिल कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि खंब की विभिन्न प्रजातियां लगा कर पूरा वर्ष आमदनी ली जा सकती है। खुंब एक लाभकारी व्यवसाय है। इसमें खेतों की जरूरत नही होती बल्कि इस व्यवसाय को 1-2 कच्चे/पक्के कमरों में शुरू किया जा सकता है और कम लागत से अच्छा फायदा लिया जा सकता है। उन्होंने बताया कि युवा इस व्यवसाय को अपना कर स्वरोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सतीश कुमार ने बताया कि खुंब एक शाकाहारी भोजन के साथ-साथ प्रोटीन का एक अच्छा स्त्रोत है। इसमें अति आवश्यक अमीनो एसिड, खनिज, लवण, विटामिन प्रचुर मात्रा में पाये जाते है। खुंब का सेवन एक संतुलित आहार होने के साथ-साथ यह औषधीय गुणों से भरपूर है। उन्होंने बताया कि किसान कम लागत से खुंब उत्पादन करने के बारे में विस्तारपर्वक जानकारी दी।

संस्थान के सहायक निदेशक डॉ. संदीप भाकर ने बताया कि किसान कृषि अवशेषों को खेत में जलाने की बजाए खुंब उत्पादन के लिए प्रयोग करें और अपनी आमदनी बढ़ायें। उन्होंने बताया कि खुंब उत्पादन एक लाभकारी व्यवसाय है। इसे अपनाकर किसान अपनी आय बढ़ा सकता है। साथ ही समन्वित कृषि प्रणाली में खुंब को एक घटक के रूप में अपना कर अपने खाली समय का सदुपयोग करते हुए कृषि आय बढ़ाई जा सकती है। संस्थान के सहायक निदेशक डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि खुंब से मूल्य सवंर्धित उत्पाद जैसे आचार, बिस्कुट, पापड़ इत्यादि तैयार किये जा सकते है। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. डी.के. शर्मा तथा वैज्ञानिक डॉ. दलविन्द्र भी मौजूद थे। कार्यक्रम के अन्त में डॉ. सतीश कमार ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 6.4.2021.....पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....2-3.....

एक से दो कमरों में शुरू किया जा सकता है खुंब उत्पादन

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए युवक-युवतियों के लिए खुंब उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डा. बीआर कंबोज के निर्देश में आयोजित किया गया। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डा. अशोक गोदारा ने कहा कि कृषि विविधिकरण के तहत खुम्ब उत्पादन करके युवा स्वरोजगार हासिल कर सकते है।

खुम्ब की विभिन्न प्रजातियां लगा कर पूरा वर्ष आमदनी ली जा सकती है। खुम्ब एक लाभकारी व्यवसाय है। इसमें खेतों की जरूरत नही होती बल्कि इस व्यवसाय को 1-2 कच्चे/पक्के कमरों में शुरू किया जा सकता है और कम लागत से अच्छा फायदा लिया जा सकता है। युवा इस व्यवसाय को अपना कर स्वरोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........पंजाब केसरी........

दिनांक 6.4.2021 पृष्ठ संख्या 4 कॉलम 7-8

'कृषि विविधिकरण के रूप में कर सकते हैं खुम्ब उत्पादन : डॉ. गोदारा'

हिसार, 5 अप्रैल (पंकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए युवक-युवतियों के लिए खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर 3 दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बी.आर. कम्बोज के मार्ग दर्शन में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि कृषि विविधिकरण के अन्तर्गत खुम्ब उत्पादन करके युवा स्वरोजगार हासिल कर सकते है। उन्होंने बताया कि खुम्ब की विभिन्न प्रजातियां लगा कर पूरा वर्ष आमदनी ली जा सकती है। संस्थान के सहायक निदेशक डॉ. संदीप भाकर ने बताया कि किसान कृषि अवशेषों को खेत में जलाने की बजाए खुम्ब उत्पादन के लिए प्रयोग करें और अपनी आमदनी बढ़ाएं। पौध रोग विभाग के वैज्ञानिक डॉ. राकेश चुघ ने ढ़ीगरी खुम्ब व कीड़ा जड़ी खुम्बों को उगाने की विधि से अवगत कराया। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. डी.के. शर्मा तथा वैज्ञानिक डॉ. दलविन्द्र भी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....अमर उजाला........

दिनांक 6.4.2021 पृष्ठ संख्या ....2.... कॉलम ....8....

कृषि विविधीकरण के रूप में कर सकते हैं खुंब उत्पादन : डॉ. गोदारा

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में खुंब उत्पादन तकनीक विषय पर आयोजित तीन दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण शिविर सोमवार को संपन्न हो गया। इसका आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बीआर कंबोज के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोलते हुए सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि कृषि विविधीकरण के अंतर्गत खुंब उत्पादन करें। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	**06.04.2021**	--	--

कृषि विविधिकरण के रुप में कर सकते हैं खुम्ब उत्पादन : डॉ. अशोक गोदारा

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए युवक-युवतियों के लिए खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बी.आर. कम्बोज के मार्ग दर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोलते हुए सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि कृषि विविधिकरण के अन्तर्गत खुम्ब उत्पादन करके युवा स्वरोजगार हासिल कर सकते है। उन्होने बताया कि खुम्ब की विभिन्न प्रजातियां लगा कर पूरा वर्ष आमदनी ली जा सकती है। खुम्ब एक लाभकारी व्यवसाय है। इसमें खेतों की जरूरत नही होती बल्कि इस व्यवसाय को 1-2 कच्चे/पक्के कमरों में शुरू किया जा सकता है और कम लागत से अच्छा फायदा लिया जा सकता है। उन्होनें बताया कि युवा इस व्यवसाय को अपना कर स्वरोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सतीश कुमार ने बताया कि खुम्ब एक शाकाहारी भोजन के साथ-साथ प्रोटीन का एक अच्छा स्त्रोत है।

एचएयू में खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण का समापन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**05.04.2021**	--	--

कृषि विविधिकरण के रूप में कर सकते हैं खुम्ब उत्पादन : डॉ. गोदारा

एचएयू में खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण का समापन

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए युवक-युवतियों के लिए खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बी.आर. कम्बोज के मार्ग दर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोलते हुए सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि कृषि विविधिकरण के अन्तर्गत खुम्ब उत्पादन करके युवा स्वरोजगार हासिल कर सकते है। उन्होने बताया कि खुम्ब की विभिन्न प्रजातियां लगा कर पूरा वर्ष आमदनी ली जा सकती है। खुम्ब एक लाभकारी व्यवसाय

है। इसमें खेतों की जरूरत नही होती बल्कि इस व्यवसाय को 1-2 कच्चे/पक्के कमरों में शुरू किया जा सकता है और कम लागत से अच्छा फायदा लिया जा सकता है।

इस प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सतीश कुमार ने बताया कि खुम्ब एक शाकाहारी भोजन के साथ-साथ प्रोटीन का एक अच्छा स्त्रोत है। इसमे अति आवश्यक अमीनो एसिड, खनिज, लवण, विटामिन प्रचुर मात्रा में पाये जाते है। खुम्ब का सेवन एक संतुलित आहार होने के साथ-साथ यह औषधीय गुणों से भरपूर है।

संस्थान के सहायक निदेशक डॉ. संदीप भाकर ने बताया कि किसान कृषि अवशेषों को खेत में जलाने की बजाए खुम्ब उत्पादन के लिए प्रयोग करें और अपनी आमदनी बढ़ायें। उन्होनें बताया कि खुम्ब उत्पादन एक लाभकारी व्यवसाय है। इसे अपनाकर किसान अपनी आय बढ़ा सकता है।

पौध रोग विभाग के वैज्ञानिक डॉ. राकेश चुघ ने ढ़ीगरी खुम्ब व कीडा जड़ी खुम्बों को उगाने की विधि से अवगत कराया। डॉ. जगदीप ने खुम्ब उत्पादन में केसिंग मिश्रण की उपयोगिता पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। डॉ. मनमोहन ने खुम्ब में होने वाली बिमारियों तथा उनकी रोकथाम पर प्रकाश डाला। संस्थान के सहायक निदेशक डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि खुम्ब से मूल्य सर्वोधत उत्पाद जैसे आचार, बिस्कुट, पापड़ इत्यादि तैयार किये जा सकते है।

संस्थान के सह निदेशक डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने खुम्ब में लगने वाले कीड़ों तथा उनकी रोकथाम के उपाय सुझाये। डॉ. निर्मल कुमार ने खुम्ब उत्पादन में आर्थिक विश्लेषण पर चर्चा की और किसानों को प्रोजेक्ट तैयार करने का तरीका बताया। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. डी.के. शर्मा तथा वैज्ञानिक डॉ. दलविन्द्र भी मौजूद थे। कार्यक्रम के अन्त में डॉ. सतीश कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**05.04.2021**	--	--

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर व्यवसायिक प्रशिक्षण का समापन

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए युवक-युवतियों के लिए खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बी.आर. कम्बोज के मार्ग दर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोलते हुए सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि कृषि विविधिकरण के अन्तर्गत खुम्ब उत्पादन करके युवा स्वरोजगार हासिल कर सकते है। उन्होने बताया कि खुम्ब की विभिन्न प्रजातियां लगा कर पूरा वर्ष आमदनी ली जा सकती है। खुम्ब एक लाभकारी व्यवसाय है। युवा इस व्यवसाय को अपना कर स्वरोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सतीश कुमार ने बताया कि खुम्ब एक शाकाहारी भोजन के साथ-साथ प्रोटीन का एक अच्छा स्त्रोत है। इसमे अति आवश्यक अमीनो एसिड, खनिज, लवण, विटामिन प्रचुर मात्रा में पाये जाते है। खुम्ब का सेवन एक संतुलित आहार होने के साथ-साथ यह औषधीय गुणों से भरपूर है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**05.04.2021**	--	--

शाकाहारी भोजन के साथ-साथ प्रोटीन का अच्छा स्त्रोत है खुम्ब : डॉ. सतीश

हिसार/05 अप्रैल/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए युवक-युवतियों के लिए खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बीआर कम्बोज के मार्ग दर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोलते हुए सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि कृषि विविधिकरण के अन्तर्गत खुम्ब उत्पादन करके युवा स्वरोजगार हासिल कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि खुम्ब की विभिन्न प्रजातियां लगाकर पूरा वर्ष आमदनी ली जा सकती है। खुम्ब एक लाभकारी व्यवसाय है। इसमें खेतों की जरूरत नहीं होती बल्कि इस व्यवसाय को 1-2 कच्चे/पक्के कमरों में शुरू किया जा सकता है और कम लागत से अच्छा फायदा लिया जा सकता है। उन्होंने बताया कि युवा इस व्यवसाय को अपनाकर स्वरोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सतीश कुमार ने बताया कि खुम्ब एक शाकाहारी भोजन के साथ-साथ प्रोटीन का एक अच्छा स्त्रोत है। इसमें अति आवश्यक अमीनो एसिड, खनिज, लवण, विटामिन प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं। खुम्ब का सेवन एक संतुलित आहार होने के साथ-साथ यह औषधीय गुणों से भरपूर है। संस्थान के सहायक निदेशक डॉ. संदीप भाकर ने बताया कि किसान कृषि अवशेषों को खेत में जलाने की बजाए खुम्ब उत्पादन के लिए प्रयोग करें और अपनी आमदनी बढ़ायें। उन्होंने बताया कि खुम्ब उत्पादन एक लाभकारी व्यवसाय है। इसे अपनाकर किसान अपनी आय बढ़ा सकता है। साथ ही समन्वित कृषि प्रणाली में खुम्ब को एक घटक के रूप में अपना कर अपने खाली समय का सदुपयोग करते हुए कृषि आय बढ़ाई जा सकती है। इस प्रशिक्षण में प्रान्त के विभिन्न जिलों से आये 32 युवकों व युवतियों ने भाग लिया। पौध रोग विभाग के वैज्ञानिक डॉ. राकेश चुघ ने ढ़ीगरी खुम्ब व कीडा जड़ी खुम्बों को उगाने की विधि से अवगत कराया। डॉ. जगदीप ने खुम्ब उत्पादन में केसिंग मिश्रण की उपयोगिता पर चर्चा की। डॉ. मनमोहन ने खुम्ब में होने वाली बिमारियों तथा उनकी रोकथाम पर प्रकाश डाला। संस्थान के सहायक निदेशक डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि खुम्ब से मूल्य सवंर्धित उत्पाद जैसे आचार, बिस्कुट, पापड़ इत्यादि तैयार किये जा सकते है। ढ़ीगरी खुम्ब को सुखा कर तथा पाउडर बनाकर लम्बे समय तक रखा जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**05.04.2021**	--	--

कृषि विविधिकरण के रूप में कर सकते हैं खुम्ब उत्पादन : डॉ. गोदारा

एचएयू में खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण सम्पन्न

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए युवक-युवतियों के लिए खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बी.आर. कम्बोज के मार्ग दर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोलते हुए सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि कृषि विविधिकरण के अन्तर्गत खुम्ब उत्पादन करके युवा स्वरोजगार हासिल कर सकते है। उन्होने बताया कि खुम्ब की विभिन्न प्रजातियां लगा कर पूरा वर्ष आमदनी ली जा सकती है। खुम्ब एक लाभकारी व्यवसाय है। इसमें खेतों की जरूरत नही होती बल्कि इस व्यवसाय को 1-2 कच्चे/पक्के कमरों में शुरू किया जा सकता है और कम लागत से अच्छा फायदा लिया जा सकता है। उन्होनें बताया कि युवा इस व्यवसाय को अपना कर स्वरोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सतीश कुमार ने बताया कि खुम्ब एक शाकाहारी भोजन के साथ-साथ प्रोटीन का एक अच्छा स्त्रोत है। इसमे अति आवश्यक अमीनो एसिड, खनिज, लवण, विटामिन प्रचुर मात्रा में पाये जाते है। खुम्ब का सेवन एक संतुलित आहार होने के साथ-साथ यह औषधीय गुणों से भरपूर है। उन्होने बताया कि किसान कम लागत से खुम्ब उत्पादन करने के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

कृषि अवशेषों को जलाने की बजाय खुंब उत्पादन के लिए करें प्रयोग

संस्थान के सहायक निदेशक डॉ. संदीप भाकर ने बताया कि किसान कृषि अवशेषों को खेत में जलाने की बजाए खुम्ब उत्पादन के लिए प्रयोग करें और अपनी आमदनी बढ़ायें। उन्होनें बताया कि खुम्ब उत्पादन एक लाभकारी व्यवसाय है। इसे अपनाकर किसान अपनी आय बढ़ा सकता है। साथ ही समन्वित कृषि प्रणाली में खुम्ब को एक घटक के रूप में अपना कर अपने खाली समय का सदुपयोग करते हुए कृषि आय बढाई जा सकती है। इस प्रशिक्षण में हरियाणा प्रान्त के विभिन्न जिलों से आये 32 युवकों व युवतियों ने भाग लिया। पौध रोग विभाग के वैज्ञानिक डॉ. राकेश चुघ ने ढ़ीगरी खुम्ब व कीडा जड़ी खुम्बों को उगाने की विधि से अवगत कराया। डॉ. जगदीप ने खुम्ब उत्पादन में केसिंग मिश्रण की उपयोगिता पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। डॉ. मनमोहन ने खुम्ब में होने वाली बिमारियों तथा उनकी रोकथाम पर प्रकाश डाला। संस्थान के सहायक निदेशक डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि खुम्ब से मूल्य सवर्धित उत्पाद जैसे आचार, बिस्कुट, पापड़ इत्यादि तैयार किये जा सकते है। ढ़ीगरी खुम्ब को सूखा कर तथा पाउडर बनाकर लम्बे समय तक रखा जा सकता है। संस्थान के सह निदेशक डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने खुम्ब में लगने वाले कीड़ों तथा उनकी रोकथाम के उपाय सुझाये। डॉ. निर्मल कुमार ने खुम्ब उत्पादन में आर्थिक विश्लेषण पर चर्चा की और किसानों को प्रोजेक्ट तैयार करने का तरीका बताया। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. डी.के. शर्मा तथा वैज्ञानिक डॉ. दलविन्द्र भी मौजूद थे।

यूनियन ने मीटिंग कर उठाई कर्मचारियों की मांगें

हिसार। हरियाणा गवर्नमैंट पीडब्ल्यू डी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन संबंधित हरियाणा संयुक्त कर्मचारी संघ की जिला मीटिंग मॉडल टाऊन स्थित कार्यालय में हुई जिसकी अध्यक्षता जिला प्रधान बलवान सिंह कालीरावणा ने की तथा राज्य उपप्रधान औमप्रकाश पूनिया बैठक में मुख्य रूप से शामिल हुए। इस अवसर पर जिला कार्यालय का उद्घाटन किया गया व सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों की विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। जिला सचिव नंदलाल अरोड़ा ने मंच का संचालन किया।

बैठक में कर्मचारियों की मुख्य मांगें ठेकेदारी प्रथा पर लगे कर्मचारियों को पक्का करने, कैशलैस कार्ड, टर्म अपाइंट मेंटेनेंस व कच्चे कर्मचरियों को पक्के करने व जब तक पक्के नहीं होते तब तक न्यूनतम वेतन देने आदि मांगें उठाई गई।

मीटिंग में मनजीत सिहाग, ईश्वर पूनिया, रमेश शर्मा, लीलू राम, सुभाष चंद्र, सुरेंद्र दुहन, मनजीत, आत्मा राम, मांगेराम, धर्मबीर सिंह, सुनील कुमार, कमल किशोर, आजाद सिंह, सतपाल, सुभाष, सोनू अठवाल व मनदीप इत्यादि उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीवन आधार	05.04.2021	Online	--

हिसार

कृषि विविधिकरण के रूप में कर सकते खुंब उत्पादन : डॉ. अशोक गोदारा

SHARE 0

एचएयू में खुंब उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण का समापन

हिसार,
हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए युवक-युवतियों के लिए खुंब उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बीआर कंबोज के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि सायना नेहवाल कृषि प्रोद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि कृषि विविधिकरण के अंतर्गत खुंब उत्पादन करके युवा स्वरोजगार हासिल कर सकते है। उन्होंने बताया कि खुंब की विभिन्न प्रजातियां लगा कर पूरा वर्ष आमदनी ली जा सकती है। खुंब एक लाभकारी व्यवसाय है। इसमें खेती की जरूरत नहीं होती बल्कि इस व्यवसाय को 1-2 कच्चे/पक्के कमरों में शुरू किया जा सकता है और कम लागत से अच्छा फायदा लिया जा सकता है। उन्होंने बताया कि युवा इस व्यवसाय को अपनाकर स्वरोजगार प्राप्त कर सकते है। इस प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सतीश कुमार ने बताया कि खुंब एक शाकाहारी भोजन के साथ-साथ प्रोटीन का एक अच्छा स्त्रोत है। इसमे अति आवश्यक अमीनो एसिड, खनिज, लवण, विटामिन प्रचुर मात्रा में पाये जाते है। खुंब का सेवन एक संतुलित आहार होने के साथ-साथ यह औषधीय गुणों से भरपूर है। उन्होंने बताया कि किसान कम लागत से खुंब उत्पादन करने के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

कृषि अवशेषों को जलाने की बजाय खुंब उत्पादन के लिए करे प्रयोग

संस्थान के सहायक निदेशक डॉ. संदीप भाकर ने बताया कि किसान कृषि अवशेषों को खेत में जलाने की बजाए खुंब उत्पादन के लिए प्रयोग करें और अपनी आमदनी बढ़ायें। उन्होंने बताया कि खुंब उत्पादन एक लाभकारी व्यवसाय है। इसे अपनाकर किसान अपनी आय बढ़ा सकता है। साथ ही समन्वित कृषि प्रणाली में खुंब को एक घटक के रूप मे अपनाकर अपने खाली समय का सदुपयोग करते हुए कृषि आय बढ़ाई जा सकती है। इस प्रशिक्षण मे हरियाणा प्रांत के विभिन्न जिलों से आये 32 युवकों व युवतियों ने भाग लिया। पौध रोग विभाग के वैज्ञानिक डॉ. राकेश चुघ ने ढींगरी खुंब व कीड़ा जड़ी खुंबों को उगाने की विधि से अवगत कराया। डॉ. जगदीप ने खुंब उत्पादन में केसिंग मिश्रण की उपयोगिता पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। डॉ. मनमोहन ने खुंब मे होने वाली बीमारियों तथा उनकी रोकथाम पर प्रकाश डाला। संस्थान के सहायक निदेशक डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि खुंब से मूल्य संवंर्धित उत्पाद जैसे अचार, बिस्कुट, पापड़ इत्यादि तैयार किये जा सकते हैं। ढींगरी खुंब को सुखाकर तथा पाऊडर बनाकर लंबे समय तक रखा जा सकता है। संस्थान के सह निदेशक डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने खुंब मे लगने वाले कीड़ों तथा उनकी रोकथाम के उपाय सुझाये। डॉ. निर्मल कुमार ने खुंब उत्पादन में आर्थिक विश्लेषण पर चर्चा की और किसानों को प्रोजेक्ट तैयार करने का तरीका बताया। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. डीके शर्मा तथा वैज्ञानिक डॉ. दलविन्द्र भी मौजूद थे। कार्यक्रम के अंत में डॉ. सतीश कुमार ने सभी का धन्यवाद किया।